

खबर संक्षेप

सीईओ ने विभागीय योजनाओं में प्रगति लाने के निर्देश
कटनी। जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को सर्वोच्च प्राथमिकता से विभागीय योजनाओं में प्रगति लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत स्वीकृत एवं पूर्ण कार्यों की भीतिक पूर्णता एवं सीसी जारी कराएं। जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं परियोजनाओं को पूर्णता के उपरांत ग्राम पंचायत को हस्तांतरित किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सख्ती से आधी अधूरी नल जल योजनाओं को पूर्ण कार्य कराई जाने के उपरांत हस्तांतरण की कार्यवाही करने की निर्देश दिए हैं। जिला पंचायत सीईओ ने समग्र एवं मनरेगा अंतर्गत जॉब कार्ड धारियों और श्रमिकों का ईकेवाईसी कार्य को शत प्रतिशत पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि राज्य शासन की महत्वपूर्ण एवं जलहित हितैषी सीएम हेल्थलाइन में प्राप्त शिकायतों का तत्परता पूर्वक संवेदनशीलता के साथ निराकरण करें। उन्होंने संबल योजना और जन्म प्रमाण पत्रों के पंजीयन कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए हैं एवं योजना से संबंधित लंबित प्रकरणों पर तत्परता के साथ कार्रवाई करने को कहा है।

लापता दो किशोरियों को पुलिस ने 24 घंटे में किया दस्तयाब

कटनी। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमति नेहा पच्चौंसिया के नेतृत्व में थाना माधवनगर अंतर्गत चौकी निवार पुलिस द्वारा ऑपरेशन मुस्कान के तहत त्वरित कार्यवाही करते हुए गुम दो नाबालिग बालिकाओं को चंद घंटों में खोजकर सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया गया। पुलिस के अनुसार 11.05.2026 को फरियादिया ने चौकी निवार में उपस्थित होकर मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी 15 वर्ष एवं 17 वर्ष आयु की दो पुत्रियां बिना बताए घर से कहीं चली गई हैं। रिपोर्ट पर तत्काल गुम इंसान/अपहरण संबंधी प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान चौकी निवार पुलिस ने त्वरित सक्रियता दिखाते हुए तकनीकी सहायता एवं मुखबिर तंत्र के माध्यम से तलाश शुरू की। 12.05.2026 को दोनों बालिकाओं को टिकरिया क्षेत्र से दस्तयाब कर सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया गया। बालिकाओं की सकुशल वापसी से परिजनों के चेहरे पर पुनः मुस्कान लौटा आई। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी माधवनगर संजय दुबे, चौकी प्रभारी निवार सउनि अंजनी मिश्र, सहा. उप निरीक्षक कमलेश्वर शुक्ला, राजेश कोरी, प्रधान आरक्षक देवेश, गौरव, आरक्षक अरविंद कुशवाहा, बकिल यादव तथा साइबर सेल से सचेंद्र राजपूत, महिला आरक्षक आरती सैयाम एवं दैक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आधी-अधूरी, अपूर्ण नल जल योजनाओं के हस्तांतरण पर होगी सख्त कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज़►► कटनी

मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना (2.0) सहित केंद्र सरकार एवं राज्य शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में त्वरित कार्यवाही करते हुए जरूरत मंद नागरिकों को लाभान्वित कराएं। भोपल गर्मी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए नागरिकों को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता हेतु जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित आधी-अधूरी अपूर्ण नल जल योजनाओं को ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित किए जाने एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई करते हुए बख्खा नहीं जाएगा। जनपद

बसों का संचालन नहीं होने से यात्रियों को करना पड़ता है परेशानियों का सामना

ग्रामीण रूटों पर आज भी सुलभ नहीं आवागमन की सुविधा, ऑटो ही सहारा

हरिभूमि न्यूज़►► कटनी

जिले में आज भी ऐसे सैकड़ो दूरस्थ ग्रामीण मार्ग हैं जिनमें सुविधाजनक परिवहन सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। गांव व ग्रामीणों के विकास की मुख्य धारा से जोड़ने सड़को के निर्माण की कोशिश तो लगभग सफल होती दिख रही है लेकिन यात्री बसें न चल पाने की वजह से लोगों को बड़ी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। शासन की ओर से सीएम ग्रामीण परिवहन सेवा के जरिये बसों के इंटीरियल मार्गों पर चलाये जाने की पहल की गई थी लेकिन इस पर पंख लगते नहीं दिख रहे हैं। बस संचालको की अरुचि की वजह से य योजना सफल होती नहीं दिख रही है।

दरअसल ग्रामीण क्षेत्रों का आवागमन अब भी सुगम नहीं हो पाया। वाहनों की कमी व जल्दी पहुँचने के फेर में लोग आटो, ट्रैक्टर, मैजिक व लोडर वाहनों से मजबूरी में जान जोखिम में डाल सफर कर रहे हैं। कई बार क्षमता से अधिक सवारियों ढोने की वजह से ये तिपहिया वाहन हादसाग्रस्त हो रहे



है। जिससे लोगों को भारी किततो का सामन करना पड़ रहा है।

ग्रामीण क्षेत्र के आवामन को सुगम बनाने शासन व प्रशासन स्तर पर भी कोई सार्थक पहल नहीं की गई। लोगों को एक दो नहीं बल्कि 20 से 30 किमी का सफर आटो व छोटे वाहनों से तय करना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों की आवागमन व्यवस्था को मजबूत बनाने सालों पहले मुख्यमंत्री ग्रामीण परिवहन सेवा चलाई थी। इस योजना के तहत जिन मार्गों में बड़ी बसें नहीं पहुँच पा रही है उन रूटो पर 22 सीटर बसों का संचालन बसों का संचालन होना था। जिले

के परिवहन अमले द्वारा 126 रूटो का चयन किया गया। इन मार्गों पर छोटी बसो को परमिट देना था लेकिन यह योजना अब ठंडे बस्ते में चली गई।

जिले के ग्रामीण रूटो पर हजारों आटो व सैकड़ों मैजिक वाहन दौड़ रहे हैं। इन्में से अधिकांश आटो व मैजिक वाहनों का फिटनेस परमिट नहीं है। कुछ वाहनों की स्थिति कंडम है। इसके बाद ये वाहन बेधड़क दौड़ रहे हैं। रीठी तहसील के वनग्राम खुसरा, नैगवा, कुड़ाई, रमपुरा, वसुधा, मगरधा, बरजी, देवरी खुर्द, खिरवा खुर्द, सिमराकला, खमरिया, कुपिया,

बरसात में कोई परेशानी न हो, पहले से व्यवस्थाएं करें दुरुस्त

हरिभूमि न्यूज़►► कटनी

आगामी वर्षा ऋतु के दौरान शहर में जल-जमाव की स्थिति उत्पन्न न हो तथा नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके लिए नगर निगम प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को नगर निगम आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार की अध्यक्षता में निगम के एमआईसी सभागार में लोक निर्माण शाखा, स्वास्थ्य शाखा एवं जल प्रदाय शाखा के अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में वर्षा पूर्व तैयारियों, जल निकासी व्यवस्था तथा संवेदनशील क्षेत्रों में किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान नगर आयुक्त सुश्री परिहार ने कहा कि पूर्व वर्षा में जल-जमाव के



कारण शहर के अनेक क्षेत्रों में नागरिकों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ा था। इससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई, व्यापारिक गतिविधियां बाधित हुईं तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ीं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि इस वर्ष ऐसी स्थिति किसी भी हाल में उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए वर्षा प्रारंभ

की आवश्यकता है, वहां स्थायी समाधान की दृष्टि से समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश लोक निर्माण शाखा को दिए गए।

बैठक में जल-जमाव से प्रभावित संभावित स्थलों की पहचान कर जौरी टॉलरेंस कीविशेष कार्ययोजना तैयार करने पर भी जोर दिया गया। जल निकासी में बाधा उत्पन्न करने वाले अतिक्रमणों को चिन्हित कर नियमानुसार हटाने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त ने शहरवासियों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि नालियों एवं नालों में कचरा न डालें तथा सार्वजनिक स्थलों एवं जल निकासी मार्गों पर अतिक्रमण से बचें, क्योंकि यही जल-जमाव की समस्या का प्रमुख कारण बनता है।

किसानों को 90 करोड़ से अधिक का किया जा चुका भुगतान

हरिभूमि न्यूज़►► कटनी

रबी विपणन वर्ष 2026-27 में 15 अप्रैल से समर्थन मूल्य पर शुरू हुये गेहूँ उपाजर्न में 12 मई तक जिले के कुल 28 हजार 361 कृषकों से अब तक 1 लाख 28 हजार 809 मीट्रिक टन गेहूँ का उपाजर्न किया जा चुका है। किसानों को अब तक उपाजर्जित गेहूँ के विरुद्ध 90.99 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने सभी किसानों को शोध भुगतान करवाने के निर्देश दिये हैं। जिले में अब तक 41 हजार 75 कृषकों द्वारा स्लॉट की बुकिंग की जा चुकी है।

उपाजर्न में ढीमरखेड़ा अग्रणी

जिले में अब तक समर्थन मूल्य

निगमायुक्त ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा



निगमायुक्त तपस्या परिहार ने शहर के संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा कर नालों और जल निकासी व्यवस्था की जमीनी स्थिति का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को समय रहते व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जयप्रकाश वाई, जगमोहन दास वाई और रघुनाथ गंज वाई के प्रमुख नालों की स्थिति देखी गई। निगमायुक्त ने शहीद द्वार क्षेत्र, गांधीगंज, आदर्श कॉलोनी, गिरिजा घाट, कटनी पब्लिक स्कूल के पास तथा संतनगर सहित कई स्थानों पर जल निकासी की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान कई नालों में जमा सिल्ट और कचरे को जल प्रवाह में बाधा का प्रमुख कारण पाया गया। इस पर निगमायुक्त ने तत्काल सफाई, अवरोध हटाने के निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा कि सफाई केवल औपचारिक अभियान नहीं बल्कि निरंतर चलने वाली प्रक्रिया होनी चाहिए।उन्होंने पुराने जलभराव प्रभावित क्षेत्रों की नियमित मॉनिटरिंग, अतिक्रमण हटाने और स्वास्थ्य व लोक निर्माण शाखा के बीच समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि बारिश शुरू होने से पहले सभी संवेदनशील बिंदुओं पर कार्य पूर्ण कर लिया जाए ताकि परेशानी न हो।

समर्थन मूल्य पर अब तक एक लाख 28 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ उपाजर्जित

पर हुए गेहूँ उपाजर्न के मामले में तहसील ढीमरखेड़ा अग्रणी है। यहां अब तक की स्थिति में कुल 7044 किसानों से 26 हजार 824 मीट्रिक टन गेहूँ का उपाजर्न किया जा चुका है। जबकि दूसरे नंबर पर तहसील विजयराघवगढ़ में 4017 किसानों से 20 हजार 787 मीट्रिक टन गेहूँ समर्थन मूल्य पर उपाजर्जित किया जा चुका है।

इसी प्रकार बहोरीबंद तहसील में अब तक 3648 किसानों से 18 हजार 423 मीट्रिक टन गेहूँ उपाजर्जित किया गया है। जबकि स्लीमनाबाद तहसील में 2688 कृषकों से 13 हजार 957 मीट्रिक टन गेहूँ उपाजर्जित किया जा चुका है। बड़वारा तहसील में अब तक की स्थिति में 3420 किसानों से 12

हजार 642 मीट्रिक टन और रीठी तहसील में 2583 किसानों से 12 हजार 350 मीट्रिक टन गेहूँ का उपाजर्न किया जा चुका है।

इसके अलावा बरही तहसील में 2490 किसानों से 11 हजार 931 मीट्रिक टन और कटनी नगर व कटनी ग्रामीण तहसील में 2471 किसानों से 11 हजार 985 मीट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है।

उपाजर्न केंद्र में किसानों के लिये गेहूँ बिक्री की सभी सुविधाएं कलेक्टर श्री तिवारी के निर्देश पर उपाजर्न केंद्रों में गेहूँ विक्रय की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उपाजर्न केंद्रों में छायादार स्थान में बैठने और पेय जल की समुचित सुविधा उपलब्ध कराई गई है। केंद्र में बारदाने, तौल कांटे, सिलाई

मशीन, कंप्यूटर, इंटरनेट, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण और उपज की साफ-सफाई के लिए पंखा, छन्ना आदि की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं।

समर्थन मूल्य के साथ बोनास

रबी विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा घोषित 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनास राशि सहित 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपाजर्न किया जा रहा है।

गेहूँ के उपाजर्न के लिये आवश्यक बारदानों की व्यवस्था की जा चुकी है। किसानों से आग्रह किया गया है कि वे खरीदी केंद्र में साफ-सुथरा गेहूँ लायें।

जिले के 1 लाख से अधिक हितग्राहियों के खातों में 6.33 करोड़ की राशि अंतरित

हरिभूमि न्यूज़►► कटनी

राज्य शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत मई जिले के 1 लाख 5 हजार 604 हितग्राहियों के खाते में 6 करोड़ 33 लाख 62 हजार 400 रुपये की राशि अंतरित की गई। इन योजनाओं में पात्र हितग्राहियों को 600 रुपये प्रतिमाह की सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि प्रदान की जाती है।

मई माह के लिये इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निशक्त पेंशन योजना के तहत 3 हजार 120 हितग्राहियों को 18 लाख 72 हजार रुपये की राशि की पेंशन सहायता राशि का वितरण किया गया। इसी तरह इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के

तहत 47 हजार 563 हितग्राहियों को 2 करोड़ 85 लाख 37 हजार 800 रुपये प्रदान किये गए हैं।

वहीं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजनाओं के तहत जिले के 19 हजार 770 हितग्राहियों को 1 करोड़ 18 लाख 62 हजार रुपये की पेंशन राशि का वितरण किया गया है। कन्या अभिभावक पेंशन योजना के तहत 1 हजार 353 हितग्राहियों को 8 लाख 11 हजार 800 रुपये की राशि का वितरण किया गया है।

दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन स्कीम के तहत 2 हजार 197 हितग्राहियों को 13 लाख 18 हजार 200 रुपये, मुख्यमंत्री अविवाहिता पेंशन योजना के तहत 59 हितग्राहियों को 35 हजार 400 रुपये, मुख्यमंत्री सामाजिक सुरक्षा कल्याणी पेंशन

योजना के अंतर्गत जिले के 19 हजार 332 हितग्राहियों को 1 करोड़ 15 लाख 99 हजार 200 रुपये की पेंशन राशि का वितरण किया गया।

मंदबुद्धि एवं बहुविकलांगता वाले व्यक्तियों के लिए सहायता योजना के तहत जिले के 1 हजार 171 हितग्राहियों को 7 लाख 2 हजार 600 रुपये, वृद्धाश्रम में निवासरत अंतःवसियों की पेंशन योजना के तहत 5 हितग्राहियों को 3 हजार रुपये, सामाजिक सुरक्षा निशक्त पेंशन योजना के तहत 9 हजार 7 हितग्राहियों को 54 लाख 4 हजार 200 रुपये, सामाजिक सुरक्षा परित्यक्ता पेंशन योजना के तहत 367 हितग्राहियों को 2 लाख 20 हजार 200 रुपये की राशि का वितरण किया गया।





परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चे सम्मानित कटनी। अचीवर्स कोचिंग क्लासेस द्वारा परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों के लिए प्रोत्साहन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर मेधावी छात्र-छात्राओं को उपहार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षा का विशेष महत्व है, लेकिन पढ़ाई के साथ साथ खेलकूद और अन्य रचनात्मक गतिविधियां भी उत्तनी ही आवश्यक हैं। उन्होंने बच्चों को मोबाइल फोन एवं तकनीक का सकारात्मक उपयोग करने की सलाह देते हुए कहा कि यदि विद्यार्थी सही दिशा में तकनीक का उपयोग करे तो वह उनके भविष्य निर्माण में सहायक सिद्ध हो सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा कहा कि सफलता पाने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर पूरी लगन से प्रयास करना आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। समारोह में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

एंबुलेंस ने बाइक सवार को मारी जोरदार टक्कर कटनी। रीठी थाना अंतर्गत सलेया चौकी क्षेत्र के अमंगवा में मंगलवार दोपहर करीब 12:45 बजे एक तेज रफतार एंबुलेंस ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है। अमगवा क्षेत्र में एंबुलेंस काफी तेज गति से जा रही थी जिसने रास्ते से गुजर रहे 45 वर्षीय बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार उछलकर सड़क से काफी दूर जा गिरा। हादसे के तुरंत बाद घटना स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर लगने से व्यक्ति के सिर और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने घायल की नाजुक हालत को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल कटनी रेफर कर दिया है। बताया जा रहा है कि फिस्तर पर हरी चोट होने के कारण घायल की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

बायपास में बस और डंपर के बीच हुई गिड़ंत कटनी। बायपास पर ग्राम पौसरा ग्राम पंचायत के पास बीती देर रात यात्रियों से भरी बस और डंपर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। गनीमत रही कि इतने बड़े हादसे के बावजूद किसी की जान नहीं गई और सभी यात्री सुरक्षित हैं। बताया जा रहा है कि बस में 50 से अधिक यात्री सवार थे। टक्कर इतना तेज थी कि बस का एक हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई, लेकिन किसी भी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई। कुछ यात्रियों को मामूली खरोंचे आई हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने डंपर और बस को सड़क से हटाकर यातायात बहाल कराया।

तहसीलदार को सीएमओ का अतिरिक्त प्रभार कटनी। नगर परिषद बरही की प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा नगर बरही का अतिरिक्त प्रभार तहसीलदार बरही आदित्य प्रकाश द्विवेदी को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ सौंपा है। उल्लेखनीय है कि प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर परिषद बरही रामशिरोमणि त्रिपाठी को स्वास्थ्य कारणों से 11 अप्रैल 2026 से 08 मई 2026 तक कुल 28 दिवस का लघुकृत अवकाश स्वीकृत किया गया है।

खनिज आधारित उद्योगों, निवेश और रोजगार के नए युग की शुरुआत

खनिज संपदा से भरपूर कटनी जिला स्वर्ण नगरी के रूप में होगी विकसित

हरिभूमि न्यूज»» कटनी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और फेसबुक पर कटनी जिले की समृद्ध खनिज संपदा और तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण पोस्ट साझा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में कटनी देश के प्रमुख “माइनिंग कैपिटल” के रूप में स्थापित होगा।

उन्होंने कहा कि कटनी अब केवल “चूना नगरी” तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आधुनिक खनन प्रबंधन, औद्योगिक निवेश, रोजगार सृजन और आर्थिक विकास का राष्ट्रीय मॉडल बनेगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार खनिज संपदा के वैज्ञानिक, पारदर्शी और जनहितकारी उपयोग के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अगस्त 2025 में आयोजित “माइनिंग कॉन्क्लेव 2.0” का उल्लेख करते हुए बताया कि कटनी में 56 हजार 414 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश

प्रस्ताव प्राप्त हुए। कॉन्क्लेव में देश की बड़ी औद्योगिक कंपनियों ने सीमेंट, मिनरल प्रोसेसिंग, ऊर्जा, धातु प्रसंस्करण और निर्माण क्षेत्र में निवेश की रूचि दिखाई। इन निवेश प्रस्तावों से हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है, जिससे कटनी औद्योगिक विकास के नए केंद्र के रूप में उभरेगा।

मुख्यमंत्री ने कटनी को “कनकपुरी” अर्थात “स्वर्ण नगरी” के रूप में विकसित करने की परिकल्पना को विशेष महत्व दिया। उन्होंने कहा कि कटनी की धरती केवल खनिज संपदा का भंडार नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश की औद्योगिक शक्ति का नया आधार बन रही है।

सालों तक चली खोज

कटनी जिले की स्लीमनाबाद तहसील के इमलिया गांव, जिसे स्थानीय स्तर पर “सुनाही” भी कहा जाता है, में लगभग 3.35 लाख टन स्वर्ण अयस्क मिलने का अनुमान व्यक्त किया गया है। लगभग 50 वर्षों तक चले भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण और अनुसंधान

के बाद वर्ष 2025-26 में इस खोज को अंतिम रूप दिया गया।

सोने के साथ मिले बहुमूल्य खनिज

विशेषज्ञों के अनुसार इमलिया क्षेत्र में केवल सोना ही नहीं, बल्कि तांबा, जिंक, लेड और चांदी जैसे बहुमूल्य खनिजों के विशाल भंडार भी पाए गए हैं। यह खोज कटनी को देश के प्रमुख बहु-खनिज क्षेत्रों में स्थापित करने की दिशा में ऐतिहासिक मानी जा रही है। मुंबई की ‘प्रॉस्पेक्ट रिसोर्स मिनरल प्राइवेट लिमिटेड’ कंपनी ने 121 करोड़ रुपये से अधिक की बोली लगाकर 50 वर्षों के लिए खनन लीज प्राप्त की है। लगभग 6.5 हेक्टेयर क्षेत्र में खनन गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इससे क्षेत्र में औद्योगिक निवेश, आर्थिक गतिविधियां और रोजगार के अवसरों में तेजी से वृद्धि होने की संभावना है।

कटनी जिला प्रशासन की तकनीक आधारित निगरानी और बेहतर खनन प्रबंधन के चलते जिले के खनिज राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। जहां पहले औसत वार्षिक खनिज आय लगभग 100

करोड़ रुपये थी, वहीं अब यह बढ़कर 160 करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है।

बड़वारा रोड पर स्थापित ई-चेक गेट और माइनिंग सर्विलांस सिस्टम के माध्यम से अवैध उत्खनन और खनिज परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया गया है। ऑनलाइन मॉनिटरिंग और पारदर्शी व्यवस्था ने खनन क्षेत्र में नई कार्य संस्कृति विकसित की है।

खनिज आधारित उद्योगों के विस्तार से स्थानीय युवाओं, आदिवासी समुदायों और श्रमिकों के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। सरकार का उद्देश्य केवल खनिज उत्खनन नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर उद्योग स्थापना, वैल्यू एडिशन और समग्र क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि “स्वर्ण नगरी” और “माइनिंग कैपिटल” की अवधारणा के साथ कटनी आने वाले समय में न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश के प्रमुख औद्योगिक और खनिज केंद्रों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा।

प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को किया गया सम्मानित



जनगणना 2027 के प्रथम चरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के लिए नगर पालिक निगम कटनी में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य जनगणना अधिकारी एवं निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने निर्धारित समय-सीमा से पहले कार्य पूर्ण करने वाले कर्मियों को पुष्पगुच्छ और पेन भेंट कर सम्मानित किया। निगमायुक्त सुश्री परिहार ने कर्मियों के अनुशासन और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण की योजनाओं का एक मजबूत आधार है। उन्होंने अन्य कर्मियों से भी प्रेरणा लेने का आह्वान किया और नागरिकों से अपील की कि वे प्रगणकों को सही जानकारी देकर इस राष्ट्रीय अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। विभिन्न जनों के अंतर्गत बेहतरीन कार्य करने वाले निम्नलिखित प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को सम्मानित किया गया उनमें जोन क्रमांक 1: वार्ड 12 से प्रगणक रीना साहू एवं पर्यवेक्षक सुनील कुमार सिंह। वार्ड 13 से प्रगणक शशि बाला सालोमन एवं पर्यवेक्षक नीरज कुमार दुबे। जोन क्रमांक 2: वार्ड 27 से प्रगणक उमा सिंह एवं पर्यवेक्षक उदयशान सिंह (प्रभारी जनगणना सेल)। वार्ड 31 से प्रगणक भगवती वंशकार एवं पर्यवेक्षक अभिषेक बघेल। जोन क्रमांक 3: वार्ड 31 से प्रगणक सवा बेगम एवं पर्यवेक्षक अनुराग हर्ष। वार्ड 24 से प्रगणक सुमित गर्ग एवं पर्यवेक्षक कामिनी दुबे शामिल है।

फीडबैक के आधार पर थानों की रैंकिंग जारी, कुठला, एनकेजे व बहोरीबंद टॉप

हरिभूमि न्यूज»» कटनी

पुलिस द्वारा जनसेवा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार, पारदर्शिता एवं जवाबदेही को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से माह अप्रैल 2026 के लिए जिले के समस्त थानों की जनसंतुष्टि आधारित रैंकिंग जारी की गई है।यह रैंकिंग थानों में आने वाले आगंतुकों, फरियादियों एवं आम नागरिकों द्वारा दिए गए फीडबैक के आधार पर तैयार की गई है। फीडबैक का संकलन थानों में उपलब्ध आगंतुक रजिस्टरों में दर्ज टिप्पणियों एवं “स्कैन करें, फीडबैक भरे” आमजन के बीच सकारात्मक रूप से लोकप्रिय हो रहा है। थानों में आने वाले आगंतुकों, शिकायत दर्ज कराने वाले पीड़ितों, चरित्र सत्यापन हेतु उपस्थित युवाओं तथा अन्य

पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा क्रॉस कॉलिंग कर सत्यापन भी किया गया।

माह अप्रैल की जारी रैंकिंग में जिले के शीर्ष 3 थाने निम्नानुसार रहे थाना कुठला – 91.46%2. थाना बहोरीबंद – 91.36%3. थाना एनकेजे – 91.12% इसी तरह निम्न रैंकिंग वाले थानों में थाना बड़वारा – 86.32% थाना स्लीमनाबाद – 86.78% थाना विजयराघवगढ़ – 86.79% रहा। पुलिस द्वारा प्रारंभ किया गया नवाचार “स्कैन करें, फीडबैक भरे” आमजन के बीच सकारात्मक रूप से लोकप्रिय हो रहा है। थानों में आने वाले आगंतुकों, शिकायत दर्ज कराने वाले पीड़ितों, चरित्र सत्यापन हेतु उपस्थित युवाओं तथा अन्य

नागरिकों द्वारा उत्साहपूर्वक फीडबैक दर्ज किया जा रहा है। प्राप्त प्रतिक्रियाओं में नागरिकों ने थाना प्रभारियों एवं पुलिस स्टाफ द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की गुणवत्ता, व्यवहार एवं त्वरित कार्यवाही की सराहना की है।

जनता से प्राप्त फीडबैक से यह स्पष्ट होता है कि जिले के सभी थानों में नागरिक सेवाओं के स्तर में निरंतर सुधार हो रहा है। विगत महीनों की तुलना में संतुष्टि प्रतिशत में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है, जो कटनी पुलिस की पारदर्शी, संवेदनशील एवं जनकेंद्रित कार्यप्रणाली को दर्शाता है। कटनी पुलिस आमजन के विश्वास को और सुदृढ़ करने के लिए भविष्य में भी ऐसे नवाचारों एवं सेवा सुधार की पहलों को निरंतर जारी रखेगी।

शासन द्वारा किसानों

को मुहैया कराई जा

रही कई सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज»» कटनी

मई माह में बोई जाने वाली फसलों से किसान कम समय और कम पानी में बेहतर मुनाफा ले सकते हैं। जायद सीजन में मूंग की विगत, शिखा, टीजेएम-3 एवं हम-16 किस्मों की बुवाई 15 मई तक की जा सकती है। बुवाई से पहले बीज को रायजोबियम एवं पीएसबी कोक्चर से उपचारित करना लाभकारी रहता है और इस फसल में 4 से 5 सिंचाई पर्याप्त होती है। उड़द की इंदिरा उड़द-1, टी-9 एवं प्रताप उड़द-1 किस्मों को हल्की-दोमट मिट्टी में बोना चाहिए तथा खरपतवार नियंत्रण के लिए बुवाई के 25 दिन बाद निराई-गुड़ाई करना आवश्यक है। मक्का की जेएम-216, एजएम-4 तथा संकर किस्मों की बुवाई करने

कम पानी एवं समय में बेहतर मुनाफा लेने के लिये किसानों को दी गई सलाह

पर 5 से 6 सिंचाई की आवश्यकता होती है और बेबीकॉर्न के लिए 65 दिन में तुड़ाई कर किसान अतिरिक्त लाभ ले सकते हैं। सूरजमुखी की केबीएसएच-44 एवं

डीआरएसएच-1 किस्में 3 से 4 सिंचाई में तैयार हो जाती हैं तथा परागण बढ़ाने के लिए खेत के पास मधुमक्खी पालन करने से उत्पादन 20 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। सब्जी वर्ग में भिंडी, लौकी, करेला, तोरई की संकर किस्में लगाना चाहिए और पानी की बचत के लिए ड्रिप सिंचाई व मल्टिचिंग अपनाना चाहिए। स्थानीय बाजार की मांग के अनुसार ही फसल का चयन करना बेहतर रहता है। पशुपालक किसान चारे के लिए मक्का की अप्रोक्रन टॉल एवं ज्वार की एमपी चरी किस्म बो सकते हैं। ये फसलें 45 दिन में

हरा चारा उपलब्ध करा देती हैं और चारा बीज पर शासन द्वारा 75 प्रतिशत अनुदान भी दिया जा रहा है।

शासन की प्रमुख सुविधाएं

जायद फसलों को बढ़ावा देने के लिए मूंग-उड़द के प्रमाणित बीज पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है और इस सीजन के लिए पर्याप्त मात्रा में बीज भंडारित किया गया है। रायजोबियम कल्चर सभी विकासखंडों में नि:शुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। सिंचाई के लिए ‘पर ड्रॉप-मोर कंट्रोल’ योजना में ड्रिप उपकरण पर 55 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है तथा पात्र किसानों को सोलर पंप 90 प्रतिशत तक अनुदान पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कृषि यंत्रिकरण को बढ़ावा देने के लिये रोटावेटर, कल्टीवेटर,

बीज-उर्वरक ड्रिल पर 40 से 50 प्रतिशत अनुदान है और प्रदेश में स्थापित 2,500 कस्टम हायरिंग सेंटर से किसान किराये पर मशीनें ले सकते हैं। तकनीकी मार्गदर्शन के लिए हर विकासखंड में ‘कृषि चौपाल’ व ‘किसान पाठशाला’ के माध्यम से विशेषज्ञ सलाह दी जा रही है तथा ‘एमपी किसान ऐप’ पर मौसम आधारित सलाह व मंडी भाव की जानकारी तुरंत मिल रही है। विपणन के लिए ‘मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ’ द्वारा मूंग एवं उड़द का उपार्जन न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किया जाएगा। एफपीओ के माध्यम से किसानों को सीधा बाजार लिंकेज दिया जा रहा है। जोखिम से बचाव के लिए जायद फसलों को ‘प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना’ में शामिल किया गया है।

बाणसागर विस्थापितों ने कहा मालिकाना हक नहीं दिया तो करेंगे उग्र आंदोलन

हरिभूमि न्यूज»» कटनी

बाणसागर परियोजना से विस्थापित विजयराघवगढ़ के बरनमोहनगवां में रहने वाले आदिवासी परिवार मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे। ग्रामीणों ने भू-अधिकार पट्टे की मांग की साथ ही प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि उन्हें जल्द मालिकाना हक नहीं मिला तो वे उग्र आंदोलन के लिए विवश होंगे। आदिवासी नेता छोट्टू कोल ने बताया कि एक माह पूर्व हजारों विस्थापितों ने इटमा, बंदरा और कुदरी गांवों से 70 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा कर जिला मुख्यालय का घेराव किया था। उस समय प्रशासन ने गांवों का निरीक्षण कर पात्रता अनुसार पट्टे देने का वादा किया था, लेकिन एक महीना बीत जाने के बाद भी कोई राजस्व अधिकारी मौके पर जांच के



लिए नहीं पहुंचा। बरनमोहनगवां नई बस्ती में रह रहे 500 से अधिक परिवार दशकों से इस जमीन पर काबिज हैं, लेकिन कानूनी दस्तावेज (पट्टे) न होने के कारण वे अधर में लटकते हैं। पट्टा न होने से उन्हें पीएम आवास जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों को डर है कि प्रशासनिक उदासीनता के चलते विकास के नाम पर उन्हें फिर से

विस्थापित किया जा सकता है। ज्ञापन सौंपते हुए आदिवासियों ने दो टूक कहा कि वे अब केवल मीठी बातों से संतुष्ट नहीं होंगे। जब तक उन्हें भू-अधिकार पत्र नहीं मिल जाते, उनकी लड़ाई चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगी। हालांकि अधिकारियों ने दोबारा नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिलाया है, लेकिन ग्रामीण अब ठोस जमीनी कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।



खबर संक्षेप

मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता संघ चुनाव 2026

छतरपुर। मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता संघ चुनाव 2026 को लेकर प्रदेशभर के न्यायालय परिसरों में मंगलवार को मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई। चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला और दिनभर न्यायालय परिसरों में मतदान जारी रहा। जानकारी के अनुसार इस बार चुनाव में कुल 122 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें से सदस्य पद के लिए 25 सदस्यों का चयन किया जाएगा। जुने गए सदस्य बाद में मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष शिव प्रताप सिंह ने बताया कि जिले में अधिवक्ताओं द्वारा जितेंद्र कुमार व्यास के समर्थन में मतदान किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि जितेंद्र कुमार व्यास चुनाव में विजय हासिल करेंगे। चुनाव व्यापकश्री को मौजूदगी में मतदान प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और शांतिपूर्ण वातावरण में कराई गई। वहीं मतदान के दौरान अधिवक्ताओं में उत्साह का माहौल बना रहा और बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने अपने मतधिकार का प्रयोग किया।

छात्रा की नहीं बनी पेन आईडी

छतरपुर। जिले में गिजी स्कूल प्रबंधन की लापरवाही का एक मामला सामने आया है, जहां चार वर्षों तक अध्ययन करने के बावजूद छात्रा की पेन आईडी नहीं बनाई गई। मामले को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में अभिभावक ने शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की।प्रार्थी श्रीमती प्रतिमा तिवारी ने बताया कि उनकी बेटी कु. श्रुति तिवारी वर्ष 2022-23 से मरिया माता कॉन्वेंट स्कूल में अध्ययनरत थी।

ग्राम पंचायत प्रांगण में प्रारंभ हुआ 9 दिवसीय रामायण पाठ



जबेरा। नगर जबेरा के ग्राम पंचायत प्रांगण में इस समय बांदकपुर से आए राम मंडल के द्वारा 9 दिवसीय रामायण पाठ एवं नाट्य मंचन का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ विगत सोमवार की रात्रि में सांसद प्रतिनिधि रूपेश सेन, ग्राम के लंबरदार गोविंद तिवारी,लक्ष्मी तुबे,शैलेन्द्र जैन के द्वारा भगवान श्रीराम, लक्ष्मण एवं माता सीता की पूजा-अर्चना एवं आरती कर के किया गया। रामायण पाठ का आयोजन प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात्रि 11 बजे तक किया जा

रहा है। कार्यक्रम में रामायण के विभिन्न प्रसंगों एवं वृत्तान्तों का आकर्षक नाट्य मंचन के माध्यम से प्रस्तुतिकरण किया जा रहा है, जिसे देखने बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। आयोजकों ने बताया कि 9 दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन का उद्देश्य गांव में धार्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में प्रतिदिन भक्तिमय प्रस्तुतियों के साथ भगवान श्रीराम के आदर्शों का संदेश भी दिया जा रहा है।

शांतिधाम सौंदर्यीकरण कार्य में गोलमाल, राशि निकली पर धरातल पर काम गायब

ग्रामीणों ने सरपंच-सचिव पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

हरिमूमि न्यूज ▶▶ जबेरा

जनपद पंचायत जबेरा की ग्राम पंचायत डूमर में शांति धाम सौंदर्यीकरण कार्य को लेकर बड़े भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। शासन द्वारा मुक्तिधाम के सौंदर्यीकरण में आवश्यक निर्माण कार्यों के लिए 3 लाख 39 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई थी, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत एजेंसी ने बिना कार्य कराए ही अधिकांश राशि निकाल ली और धरातल पर आज तक कोई निर्माण नजर नहीं आता। ग्रामीणों के अनुसार मुक्तिधाम प्रभुपर्व में वर्षों से गंदगी, अव्यवस्था और बरसात के समय अंतिम संस्कार में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शासन द्वारा इन समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से शांति धाम के सौंदर्यीकरण के लिए राशि मंजूर की गई थी, लेकिन पंचायत के जिम्मेदारों ने कार्य कराने के बजाय राशि के गोलमाल का खेल शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि सरपंच, सचिव एवं पंचायत एजेंसी की मिलीभगत से सिस्टम में कार्य प्रगति दर्शाकर बिल क्रमांक 297, दिनांक 23 अगस्त 2024 के माध्यम से 2 लाख



99 हजार 645 रुपए की राशि निकाल ली गई। हैरानी की बात यह है कि मौके पर न तो कोई निर्माण कार्य दिखाई देता है और न ही साफ-सफाई अथवा अन्य विकास कार्यों के प्रमाण मिलते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आज भी मुक्तिधाम की स्थिति जस की तस बनी हुई है। न तो वहां समुचित सफाई व्यवस्था है और न ही कोई स्थायी निर्माण कराया गया है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर बिना धरातलीय निरीक्षण के भुगतान कैसे कर दिया गया। वहीं मामले में ग्राम पंचायत सचिव रामसिंग का कहना है कि शांति धाम में कार्य कराया गया है। उन्होंने कहा, “कार्य तो किया गया, लेकिन आपको समझ नहीं आया तो हम

क्या करें। मैंने शांति धाम में काम किया है, सिस्टम पर दर्ज राशि का आहरण किया गया है। आपसे हम यह नहीं बता सकते कि कितना पैसा निकाला गया है।” मामला सामने आने के बाद पंचायत व्यवस्था और निर्माण कार्यों की गिरगिराने पर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। लोगों का कहना है कि यदि एक छोटे से निर्माण कार्य में इस तरह लाखों रुपए का गड़बड़झाला हो सकता है, तो जिलेभर की पंचायतों में विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति क्या होगी, इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। अब ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई और शासकीय राशि की वसूली की मांग की है।

रानी दमयंती शाखा का शपथ ग्रहण सम्पन्न



चौकसे, अध्यक्ष महाकौशल प्रांत, राजीव बिल्थरे, प्रांत महासचिव, शैलेन्द्र जेठा, कोषाध्यक्ष, महाकौशल प्रांत एवं श्रीमति सरोज चौकसे, प्रांतीय महिला प्रमुख, जबलपुर रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ वन्देमातरम् से किया गया जिसका गायन डा. काव्या मिश्रा ने किया। पथारे हुए अतिथियों द्वारा सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को शपथ ग्रहण कराई गई। रानी दमयंती शाखा की अध्यक्ष डा. किरण गोस्वामी द्वारा शाखा के गठन के उद्देश्यों एवं आगामी प्रकल्पों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने शाखा के द्वारा प्रारंभ किये जाने वाले नये प्रकल्पों के बारे में जानकारी

दमोह। दमोह नगर में भारत विकास परिषद की एक और शाखा का गठन किया गया है। महिला सहभागिता के उद्देश्य से गठित रानी दमयंती शाखा का होटल मंगलम में शपथ ग्रहण समारोह भव्यता के साथ सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी.डी. शर्मा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सुनील कोठारी जी, अध्यक्ष मध्य क्षेत्र ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि, सुधीर अग्रवाल, महा सचिव मध्य क्षेत्र रामकृष्ण



निरीक्षण करने पहुंचे मंत्री के अनुज: इस नवाचार को देखने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी के खुन नितेंद्र सिंह ठाकुर उनके उनेत पहुंचे। उन्होंने फसल का निरीक्षण कर खेती की

बारीकियों को समझा और किसान की सराहना की। सत्येंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि, “युवाओं का आधुनिक खेती की ओर बढ़ना ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए

दमोह। दमोह नगर में भारत विकास परिषद की एक और शाखा का गठन किया गया है। महिला सहभागिता के उद्देश्य से गठित रानी दमयंती शाखा का होटल मंगलम में शपथ ग्रहण समारोह भव्यता के साथ सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी.डी. शर्मा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सुनील कोठारी जी, अध्यक्ष मध्य क्षेत्र ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि, सुधीर अग्रवाल, महा सचिव मध्य क्षेत्र रामकृष्ण

चार माह से वेतन नहीं मिलने पर आउटसोर्स कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन, हड़ताल की चेतावनी

तेंदूखेड़ा। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों ने चार माह से लंबित वेतन एवं वर्ष 2024 से बड़े हुए वेतन के एरियर भुगतान की मांग को लेकर जिला कलेक्टर दमोह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दमोह तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तेंदूखेड़ा प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों में शोध भुगतान नहीं होने की स्थिति में सामूहिक हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। कर्मचारियों का कहना है कि वे निरंतर अस्पताल में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन पिछले चार माह से वेतन का भुगतान नहीं होने के कारण उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। परिवार के अरण-पोषण, बच्चों की शिक्षा, घरेलू खर्च एवं दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति में उन्हें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2024 से लागू बड़े हुए वेतन का एरियर भी आज दिनांक तक प्राप्त नहीं हुआ है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। आउटसोर्स कर्मचारियों ने बताया कि इस संबंध में मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी को कई बार मौखिक एवं लिखित रूप से अवगत कराया जा चुका है, किंतु अब तक किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं की गई। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें लगातार केवल आश्वासन दिए जा रहे हैं, जबकि उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं हो रहा है। कर्मचारियों ने प्रशासन से मांग की है कि लंबित वेतन एवं एरियर राशि का शोध भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक राहत मिल सके। कर्मचारियों का कहना है कि यदि जल्द ही उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो सभी आउटसोर्स कर्मचारी सामूहिक रूप से हड़ताल करने की बाध्य होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान कर्मचारियों ने प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान करने की अपील की। कर्मचारियों का कहना है कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े होने के कारण वे निरंतर जिम्मेदारीपूर्वक कार्य कर रहे हैं, लेकिन समय पर वेतन नहीं मिलने से उनका मनोबल प्रभावित हो रहा है।



नरसिंहगढ़ का ऐतिहासिक 245 वॉ उर्स मुबारक 13,14,15 मई को

दमोह। नरसिंहगढ़ में हजरत सेयद बाबा तेयब अली शाह साहब का 245 वॉ कीमी एकता का प्रतीक उर्स मुबारक हर साल की तरह इस साल भी बड़ी शानी शौकत के साथ मनाया जाएगा। नरसिंहगढ़ उर्स कमेटी के सचिव आसिफ अंजुम ने जानकारी देते हुए बताया की उर्स पाक में देश प्रदेश से हर वर्ग हर समाज के हजारों अकीदत मन्बों के साथ जन प्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारीगण शामिल होंगे। उर्स का आगाज शाही सन्दल व चादर से 13 मई बुधवार को नया बाजार दमोह में शाम 7 बजे चादर शरीफ की जयिघार होगी जयिघार के बाद के बाद रात 11 बजे नरसिंहगढ़ में दरगाह शरीफ पर गुरूल परम्परा के बाद सन्दल व चादर शरीफ पेश की जाएगी। दिनांक 14 मई 2026 जुमेरात को बाद नमाज ईश्रा रात 9 बजे से जकिरे हल्का शरीफ के बाद मीलाद शरीफ में मौलाना तहसीन रजा मौलाना बाबर रजा हाफ़ज़ि खलील रजा, गुलाम गौस रजा के अलावा मुकामी उल्ला व शौय हजरात तक्ररीर व कलाम पेश करेंगे इसके बाद महफिले सिमा होगी जिसमें शवेज शफेज साबरी, कब्खाल शरीफ लखनऊ उत्तर प्रदेश अपने कलाम पेश करेंगे। 15 मई 2026 जुमा की रात 9 बजे से महफिले कब्खाली का शानदार आयोजन होगा जिसमें जुनेद सुल्तानी कब्खाल बदायूं उत्तरप्रदेश व शब्बीर सदाकत साबरी कब्खाल कपासन शरीफ राजनगर अपने कलाम पेश करेंगे। नरसिंहगढ़ उर्स कमेटी के अध्यक्ष दाउद सौदागर समाप्ति, सचिव आसिफ अंजुम, राजू ठेकेदार, नादिर खान ठेकेदार, बद्दु माई, हाजी बशीम सेठ, जेद सौदागर, गुल्ल मिर्ज़ी, रब्बू खॉन, शमीम टाबर , जब्बू खान ,राजु खान, नफीस बाबा, गुलाम गौस, परहान खान, कलीम ठेकेदार, सद्दाम खान रिजवान राईन, असलम स्टील व अहले बाजार मुहल्ला ने सभी अकीदत मन्द हजरात से उर्स पाक के सभी प्रोगामों में शिरकत की अपील की है।

मातृशक्ति सम्मान समारोह आयोजित



दमोह। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद की प्रियकारिणी संभाग अंतर्गत प्रगति शाखा, दमोह द्वारा मातृत्व दिवस के पावन अवसर पर माताओं के सम्मान में प्रेरणादायक एवं गरिमाभंगी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मातृशक्ति के प्रति सम्मान, प्रेम एवं कृतज्ञता व्यक्त करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित बहनों ने मां के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मां केवल एक शब्द नहीं, बल्कि प्रेम, त्याग, ममता एवं संस्कारों की जीवंत प्रतिमूर्ति होती है। वक्ताओं ने कहा कि मां ही बच्चों की प्रथम गुरु बनकर उन्हें जीवन के श्रेष्ठ संस्कार प्रदान करती है। कार्यक्रम में बहनों ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि —“मां है तो हर सपना आसान है”, “मां त्याग, प्रेम और संस्कारों की पहचान है”, “मां का प्यार दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है”, तथा “मां की सीख जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है।” इन भावपूर्ण विचारों को सुनकर उपस्थित सभी लोग भावुक एवं आनंदित हो उठे। इस अवसर पर माताओं का माला, श्रीफल एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया तथा मातृशक्ति के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त किया गया। उपस्थित सभी माताओं ने समाज निर्माण में मातृशक्ति की भूमिका के सवोध एवं प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम में केंद्रीय संरक्षिका, प्रांतीय विशिष्ट अधिकारी, प्रांतीय पदाधिकारी एवं चेयरपर्सन बहनों सहित संभाग अध्यक्ष श्रीमती मोनिका सेठ, शाखा अध्यक्ष श्रीमती संगीता जैन, सचिव अमिता चौधरी, कोषाध्यक्ष उषा नायक एवं परिषद की समस्त बहनों का विशेष सहयोग रहा। सभी के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अवैध शराब परिवहन करते आरोपी गिरफ्तार

दमोह। थाना तेन्दूखेड़ा जिला दमोह क्षेत्र में अवैध शराब परिवहन कर रहे आरोपियों को गिरफ्तार कर अवैध शराब जप्त की। जानकारी के अनुसार दिनांक 10/05/2026 को रात्रि में अत्यधिक मात्रा में अवैध शराब परिवहन होने के संबंध में मुखबिर् सूचना प्राप्त होने पर थाना तेन्दूखेड़ा पुलिस द्वारा तत्परात दिखाते हुये अवैध शराब परिवहन कर रहे दो आरोपियों को मय मोटर सायकिल के गिरफ्तार किया एवं परिवहन की जा रही अवैध शराब कुल 299 पाव (कुल 52.74) देशी लाल मसाला के कीमती 29300 रुपये के जप्त किये गये। आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया जाकर न्यायालय पेश किया गया है। पुलिस अधीक्षक आनन्द कलादगी के निदेशन में, श्रीगान अति. पुलिस अधीक्षक सुधीर भदौरिया एवं एसडीओपी महोदय तेन्दूखेड़ा के मार्गदर्शन में थाना प्रमारी तेन्दूखेड़ा द्वारा टीम गठित कर अवैध शराब परिवहन करने वालों आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही की गयी। सराहनीय कार्य करने वालों में थाना प्रमारी तेन्दूखेड़ा निरी. रावेन्द्र बागरी, प्र.आर. बुजेश तिवारी, प्र.आर. रविवन्द सेन, आर. विशाल बैन, आर. नीरज वामदेव, आर. नंदलाल कुर्मी, आर. शैलेन्द्र बघेल, आर. राधेश्र द्वांगी, चा.आर. विजय दक्षित की सराहनीय भूमिका रही।

नोहटा की ब्यारमा नदी से महीनों से बेखौफ निकल जा रही रेत

खनिज विभाग की कार्य प्रणाली पर सवाल, कार्यवाही का इंतजार

हरिमूमि न्यूज ▶▶ जबेरा



रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि खुलेआम चल रहे इस अवैध उत्खनन से शासन को राजस्व की हानि हो रही है, वहीं नदी के अस्तित्व और पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। गौरतलब है कि नोहटा नगर में मध्यप्रदेश शासन के राज्य मंत्री का आवास भी स्थित है। इसके बावजूद

खनिज विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने से अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह खड़े हो रहे हैं। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए अवैध उत्खनन पर कब तक प्रभावी कार्रवाई करता है, या फिर यह खेल इसी तरह चलता रहेगा।

हर साल बर्फीले प्रदेशों के 70 प्रजातियों के करीब 10 हजार पक्षी बनते हैं वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के मेहमान

हरिमूमि न्यूज ▶▶ तेंदूखेड़ा

जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में जहां बाघों की बसाहट की है तो यहीं चीते बसाने की तैयारी चल रही है लेकिन यहां पर हर साल सदियों में सत्तर से अधिक प्रजापतियों के दस हजार प्रवासी पक्षी प्राकृतिक रूप से आते हैं और गर्मियां शुरू होते ही वापस चले जाते हैं। टाइगर रिजर्व में भी प्रवासी पक्षियों की अडखलियों के हिसाब से व्यवस्थाएं की हैं दरअसल शीत ऋतु में ठंडे देशों में बर्फबारी के कारण वहां के स्थानीय

पक्षियों के ठिकाने नष्ट हो जाते हैं इनके आहार भी बर्फ में दबकर नष्ट हो जाते हैं। ऐसे में ये पक्षी सुरक्षित ठिकानों और आहार की तलाश में हजारों किमी की दूरी तय करके टाइगर रिजर्व सहित कई स्थानों पर पहुंच जाते हैं यहां आने वाले अधिकांश पक्षी जलीय होते हैं और उनका आहार जलीय जीव होता है जिस कारण ये अपना डेरा टाइगर रिजर्व के जलस्रोतों के पास डालते हैं टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा यहां पर बनाए तालाबों में पेड़ नुमा लकड़ियां लगाई हैं ताकि ये पक्षी इन पेड़ों पर सुरक्षित बैठकर कलरव कर सकें जानकारों के अनुसार वीरांगना

दुर्गावती टाइगर रिजर्व में रूस, मध्य एशिया के कजाकिस्तान, अफगानिस्तान, लद्दाख तिब्बत, तिब्बत, साइबेरिया से ठंड शुरू होते ही सारस क्रेन बिरिलिंग, ब्लैक नेकड स्टार्क, पेंटेड स्टार्क, सैंडपाइपर, कॉर्पोरेंट मुख्य रूप से हर साल पहुंचते हैं और गर्मी की दस्तक के साथ ही वापस चले जाते हैं। इस मामले में रिटायर्ड एसडीओ सेवाराम मलिक बताते हैं कि टाइगर रिजर्व में प्रवासी पक्षियों के आहार के लिए वनस्पति व कीड़े-मकोड़े मौजूद हैं, जिस कारण प्रवासी पक्षी यहां पर आते हैं। इन पक्षियों का भी विशेष महत्व है। वे यहां पर रहते हैं, अंडे देते हैं।

नि:शुल्क प्याऊ बना राहगीरों के लिए राहत



दमोह। भीषण गर्मी को देखते हुए नगर की सामाजिक संस्था लीनेस क्लब की सदस्य तनु सुरेखा द्वारा बस स्टैंड के पास बाईपास रोड में एक निशुल्क प्याऊ की व्यवस्था की गई है। इस प्याऊ में राहगीरों एवं आम नागरिकों को ठंडा और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा ठे प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग यहां रुककर पानी पी रहे हैं और गर्मी से राहत महसूस कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि तेज धूप और बढ़ते तापमान में इस प्रकार की व्यवस्था मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। प्याऊ संचालक एवं प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रियंका सुरेखा ने बताया कि गर्मी के मौसम में लोगों को शुद्ध पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य ने यह सेवा शुरू की गई है, जो पूरे गर्मी सीजन तक जारी रहेगी। साथ ही लोगों से पानी बचाने और स्वच्छता बनाए रखने की अपील भी की गई। अध्यक्ष रजनी खरे ने बताया कि प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है निरःशुल्क प्याऊ मानव सेवा का सच्चा प्रतीक है डायरेक्टर रोजी बरगना ने कहा कि जहाँ जल सेवा होती है वहाँ सच्ची मानवता दिखाई देती है एक घूँट पानी कई दु:आओं का कारण बनती है। पूर्व अध्यक्ष स्मृति खरे ने कहा कि निरु शुल्क प्याऊ समाज में सेवा और सद्भाव का संदेश देता है सेवा बढी जो जरूरतमंदों के काम आए इस अवसर पर सचिव ज्योति चिले कोषाध्यक्ष मया यादव ज्योति सचदेव रिज्मी जुनेजा राखी चोपड़ा आदि की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में क्लब की अन्य सदस्याओं की भी सराहनीय उपस्थिति रही तथा सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाया। संस्था द्वारा मतिष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्य निरंतर किए जाने की बात कही गई।

जनजातीय विभाग के अंशकालिन कर्मचारियों का फूटा गुस्सा

वेतन भुगतान को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन



हरिमूमि न्यूज ▶▶ दमोह

जनजातीय विभाग में कार्यरत अंशकालिन कर्मचारियों का लंबे समय से लंबित वेतन भुगतान को लेकर आक्रोश सामने आया है। मंगलवार को मध्य प्रदेश स्थाई कर्मी कल्याण संघ, जिला दमोह के अध्यक्ष बबलू ठाकुर उर्फ संतोष सिंह के नेतृत्व में कर्मचारी कलेक्ट्रेट पहुंचे और जनसुनवाई में कलेक्टर नारायण प्रताप यादव को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र वेतन भुगतान की पिछले 10 से 11 महीनों से वेतन नहीं मिलने के कारण उन्हें गंभीर आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। परिवार का भरण-पोषण, बच्चों की पढ़ाई और दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करना मुश्किल हो गया है।

कर्मचारियों का कहना है कि पूर्व में भी कई बार संबंधित अधिकारियों को आवेदन एवं ज्ञापन दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ज्ञापन प्राप्त होने के बाद कलेक्टर नारायण प्रताप यादव ने मामले को गंभीरता से लेते हुए भोपाल स्तर के अधिकारियों से फोन पर चर्चा की। इसके बाद उन्होंने संघ पदाधिकारियों को 5 दिनों के भीतर उचित कार्रवाई एवं समाधान का आश्वासन दिया। संघ पदाधिकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निर्धारित समय में कर्मचारियों के लंबित वेतन का भुगतान नहीं किया गया तो आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। इस दौरान मध्यप्रदेश स्थाई कर्मी कल्याण संघ जिला शाखा दमोह के पदाधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

